मजदूरों के बच्चे भी साक्षर बनें- विभूति नारायण राय

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर हिंदी विवि में मजदूरों के बच्चों के लिए एक विशेष पाठशाला की शुरूआत

वर्धा, 14 नवम्बर, 2011; राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के जाकिर हुसैन अध्ययन केंद्र की ओर से आयोजित विशेष कार्यक्रम के दौरान अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए कुलपति विभूति नारायण राय ने कहा कि आज शिक्षा का व्यावसायीकरण बहुत तेजी से हो रहा है। हमारे कैम्पस में बहुत मजदूर हैं। उनके बच्चे निरक्षर न रह जाएं, इसके लिए हम सभी को प्रयास करने की जरूरत है। यहां के प्राध्यापक, कर्मी व विद्यार्थियों से निवेदन है कि वे इस पावन कार्य में शामिल हों। प्रो. रामशरण जोशी ने बाल दिवस के अवसर पर आर्थिक सहायता से स्लेट, पेंसिल व अन्य संसाधन उपलब्ध कराए हैं, उनको बहुत-बहुत धन्यवाद।

फोटो कैप्शन- वक्तव्य देते हुए प्रो. रामशरण जोशी, मंच पर बाएं से कुलसचिव डॉ. के.जी. खामरे, प्रतिकुलपति प्रो. ए.अरविंदाक्षन, कुलपति विभूति नारायण राय व दाएं मिथिलेश कुमार।

विवि के गांधी हिल पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान वर्तमान संदर्भ में शिक्षा विषय पर बतौर वक्ता मीडियाविद् प्रो. रामशरण जोशी बोले, आज दुनिया में प्रश्न करना गायब होता जा रहा है। नेल्सन मंडेला ने अपनी एक पुस्तक में उल्लेखित किया है कि ब्लैक अपने बच्चों को सवाल करने पर डांट देते हैं, कहा जाता है कि आप बड़ों से सवाल मत कीजिये। जबकि श्वेत अपने बच्चों से कहते हैं कि आप सवाल करें। सवाल करने पर डांटने की परंपरा अपने यहां भी है। सवाल करने पर कहा जाता है कि जबान लड़ाते हो। एक तरफ प्रश्नहीनता है तो दूसरी ओर प्रश्नों का सागर है। बीच में से हमलोगों ने रास्ता बनाया है आज सबसे बड़ी चुनौती यही है कि क्या हम अपने नागरिकों या विद्यार्थियों को विवेचना या आलोचना के स्तर पर बुद्धिमान बना पा रहें हैं। 21 वीं सदी में बच्चों को जितना सीखना है शिक्षकों को भी उतना ही सीखना है। हम ऐसे पाठ्यक्रम विकसित करें जो कि बच्चों को सिर्फ अक्षर ज्ञान व डिग्री ही न दें बल्कि उनमें सामाजिक-राजनीतिक-आर्थिक संरचना की समझ भी विकसित कर सके। सूचना के विस्फोट के दौर में उन्होंने शिक्षकों से अपडेट रहने का आह्वान करते हुए कहा कि आज आपको अच्छी खासी सैलरी मिल रही है, इसका कुछ अंश पुस्तकों की खरीदी पर खर्च करें तथा उन पुस्तकों को पढें भी। साथ ही उन्होंने कहा कि आप किसी खास मौके पर उपहार के रूप में कैश न देकर पुस्तकें भेंट करें ताकि एक पुस्तक संस्कृति विकसित हो सकेगी।

विवि के प्रतिकुलपति व जाकिर हुसैन अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो.ए.अरविंदाक्षन ने राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा विश्वविद्यालयों के चारदीवारी से बाहर निकल कर उन लोगों के लिए भी ज्ञान अर्जन का माध्यम बने जो उन आलिशान भवनों के निर्माण कार्य में लगे हुए हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के मौके पर पूर्व में विवि के जाकिर हुसैन अध्ययन केंद्र की ओर से आयोजित निबंध प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करनेवाले क्रमश: विवेक जायसवाल, मुन्नालाल गुप्ता, सस्मिता जैना को कुलपति विभूति नारायण राय ने प्रमाणपत्र व पुस्तकें प्रदान कर पुरस्कृत किया। मंच का संचालन रिसर्च एसोसिएट मिथिलेश कुमार ने किया तथा कुलसचिव डॉ. के.जी.खामरे ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विवि के शैक्षणिक, गैर-शैक्षणिक कर्मी, शोधार्थी व विद्यार्थी प्रमुखता से उपस्थित थे।

-अमित विश्वास